vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 13 vad % 19 y[kuÅ] jfookj 21 vxLr 2022 l 27 vxLr] 2022 rd i"B&8 eY; % ,d

पीएम मोदी और महिला IAS पर कानपुर के सिपाही ने की अभद्र टिप्पणी, स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद प्रशासन ने किया निलंबित

लखनऊ। कानपुर क्राइम ब्रांच में तैनात एक कांस्टेबल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एक महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक कानपुर क्राइम ब्रांच में तैनात कांस्टेबल अजय गुप्ता ने ट्विटर पर प्रधानमंत्री और एक महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। अजय गुप्ता ने कई विवादित ट्वीट और जवाब दिए थे। उनके ट्वीट और जवाबों के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अधिकारियों ने संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिए। मुख्यालय ने भी मामले का संज्ञान लिया, जिसके बाद आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। अजय गुप्ता लंबे समय से कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच में तैनात थे। उल्लेखनीय है कि पुलिस पदकों की घोषणा १४ अगस्त को की गई थी। अजय गुप्ता ने आयुक्तालय के अधिकारियों से लेकर डीजीपी तक पदक सूची को

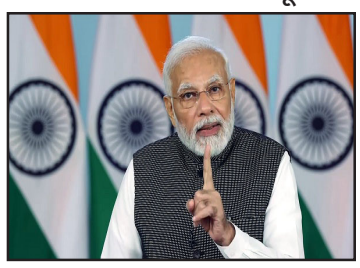

लेकर सवाल उठाए थे। उस पर कमिश्नरेट पुलिस ने भी अपना जवाब दिया। इस बीच उनके कुछ पुराने ट्वीट भी सामने आए हैं। जवाब में उन्होंने पीएम और एक महिला आईएएस अधिकारी पर अपमानजनक टिप्पणी की। इसी तरह के और भी कई ट्वीट उनके अकाउंट से किए गए। उसके बाद ट्वीट के वायरल होने की खबर सामने आई, जिसके बाद अजय ने अपना अकाउंट डिलीट कर दिया। हालांकि, विवादित ट्वीट के स्क्रीनशॉट और यूआरएल अधिकारियों ने सहेज लिए थे। गुरुवार को उन्हें अतिरिक्त सीपी मुख्यालय आनंद कुलकर्णी ने निलंबित कर दिया था। पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड ने कहा, "एक कांस्टेबल द्वारा सोशल मीडिया पर उसकी सीमा से बाहर जाकर कुछ पोस्ट डाले गए, क्योंकि यह एक पुलिस की नौकरी है और हमारी कुछ सीमाएँ हैं, यह हमारे आचरण नियमों का उल्लंघन है। जिसका संज्ञान लेते हुए हमने उन्हें निलंबित कर दिया है और विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में सम्मिलित हुए योगी, बोले- हम एक सशक्त धरोहर के साथ जुड़े हैं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन पंच प्राणों के साथ जुड़ने का संकल्प लेने के लिए कहा उसमें भारत को दुनिया का एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि ये पहला आयोजन होगा जिसको पुलिसकर्मी सामूहिक रूप से मनाते हैं। इस आयोजन के साथ जुड़कर हर व्यक्ति ये अहसास कराता है कि हम एक बहुत सशक्त धरोहर के साथ जुड़े हुए हैं और उस धरोहर को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कृष्ण जन्मभूमि का दौरा किया और पूजा–अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री मथुरा में एक जन्माष्टमी कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रम

के साथ–साथ अन्नपूर्णा भोजनालय के शुभारंभ कार्यक्रम में जुड़ने का मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जितने भी हमारे धाम और तीर्थ हैं उन सबके विकास के साथ इनके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित करने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने 'अन्नपूर्णा भोजनालय' का लोकार्पण किया

मथुरा (उप्र), २० अगस्त। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा पांच

करोड़ रुपये की लागत से स्थापित दो मंजिला 'अन्नपूर्णा भोजनालय' का लोकार्पण किया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के मौके पर यहां पहुंचे मुख्यमंत्री ने गर्भगृह और भागवत भवन में राधा–कृष्ण के युगल स्वरूप का दर्शन और विधिवत पूजन किया। जानकारी के मुताबिक, अन्नपूर्णा भोजनालय में प्रतिदिन पांच हजार लोगों को निशुल्क भोजन कराए जाने की व्यवस्था की गई है। मथुरा रोड पर स्थित इस दो मंजिला भवन में एक साथ ६०० लोगों को भोजन कराया जा सकता है। भागवत भवन के प्रवक्ता विजय कौशल विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों से मिली दान की रकम से इसका संचालन करेंगे। मुख्यमंत्री ने पहले संत–महात्माओं एवं महिलाओं को अपने हाथों से भोजन परोसा और फिर सभी के साथ बैठकर स्वयं भी दोपहर का प्रसाद ग्रहण किया। भोजनालय के लोकार्पण के बाद योगी ने 'टीएफसी सेंटर' पहुंचकर संतों का सम्मान किया। उन्होंने नगर विकास विभाग की पांच इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। ये सभी बसे पहले से संचालित ३० बसों के साथ ही अंतर्जनपदीय मार्गों पर सेवाएं देंगीं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर दुखद हादसा भाजपा सरकार के माथे पर कलंकः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा–वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में आधी रात

दर्शनार्थियों के साथ हुआ दुःखद हादसा भाजपा नीत सरकार के माथे पर कलंक है। सपा मुख्यालय से शनिवार को जारी बयान में अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है, ''भ्रष्टाचार और प्रशासनिक असफलता के कारण यह दुर्घटना हुई। प्रशासन को पता था कि जन्माष्टमी पर भारी भीड़ आती है लेकिन उसे नियंत्रित करने की सुचारू व्यवस्था नहीं की गई।'' उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन में स्थित बांके बिहारी मंदिर में शुक्रवार देर रात ठाकुर जी के महाभिषेक के बाद मंगला आरती के समय भगवान की एक झलक पाने के लिए मची भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की दबकर मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बयान में सपा प्रमुख ने इस घटना को लेकर दावा किया है, सच तो यह है कि वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर के आसपास सौंदर्यीकरण के नाम पर ब्रज तीर्थ विकास परिषद में बैठे सत्ताधीशों द्वारा २७ करोड़ रुपये की लूट की गई पर श्रद्धालुओं को कोई सुविधा नहीं मिली। यादव ने श्रद्धालु जनों की मौत पर दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी है, साथ ही आशा व्यक्त की है कि इस दुर्घटना से सबक लेकर भविष्य में ऐसी स्थिति के लिए समुचित प्रबंध किया जाएगा।

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के लखनऊ ठिकाने पर पहुंची सीबीआई

लखनऊ। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर समेत १६ जगह पर सीबीआई ने छापा मारा हैं। ऐसे में सीबीआई ने मनीष सिसोदिया के लखनऊ के ठिकाने पर भी छापेमारी की हैं। मनोज राय को मनीष सिसोदिया का करीबी बताया जा रहा है। आपको बता दें कि सीबीआई की टीम ने लखनऊ में जिस मनोज राय की तलाश में छापेमारी की, वह पहले भी जेल जा चुका है। साल २०१३ में लखनऊ पुलिस ने मनोज राय को पत्नी की हत्या के मामले में जेल भेजा था। शुक्रवार को जब लखनऊ मे शराब कंपनी के रीजनल मैनेजर रहे मनोज राय की तलाश में सीबीआई की टीम दर्ज पते पर पहुंची तो वह फ्लैट बेचा जा चुका था। नतीजा ये हुआ कि सीबीआई की टीम आधे घंटे की पूछताछ के बाद खाली हाथ ही लौट गई। मामले को लेकर बता दें कि सीबीआई ने कल दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर समेत १६ जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान पेरनोड रिकार्ड कंपनी के रीजनल मैनेजर मनोज राय के ठिकाने पर भी छापेमारी की गई। लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र के ओमेक्स हाइट्स के टावर नंबर ५ के फ्लैट नंबर १००३ का पता मनोज राय के नाम दर्ज था। मनोज राय ने यह फ्लैट किराए पर लिया था। जेल से जमानत पर छूटने के बाद मनोज राय से फ्लैट मालिक ने फ्लैट खाली करवा लिया और फ्लैट किसी और को बेच दिया। जिसेक बाद मौजूदा वक्त में ओमेक्स हाइट्स के इस फ्लैट में एक ड क्टर दंपति सपरिवार रह रहा है। सीबीआई की टीम शुक्रवार को जब दर्ज पते पर पहुंची और पता चला कि फ्लैट २०१४ में बेचा जा चुका है। इसके बाद करीब आधा घंटे की पूछताछ के बाद सीबीआई की टीम बैरंग लौट गई।

सम्पादकीय

अपनी सुविधानुसार संसदीय बोर्ड

नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जब भाजपा की कमान संभाली तो संसदीय बोर्ड के साथ एक मार्गदर्शक मंडल भी बनाया। पार्टी के वरिष्ठ और बुजुर्ग नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में जगह दी गई। हालांकि उसमें नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह भी हैं लेकिन माना यह गया कि रिटायर नेताओं को इस मंडल में जगह मिलेगी और सक्रिय व बड़े नेता संसदीय बोर्ड में रहेंगे। भाजपा ने ७५ साल की उम्र में सक्रिय राजनीति से नेताओं को रिटायर करना भी शुरू किया। अब ये दोनों सिद्धांत लगता है कि भाजपा ने अपनी सुविधा के हिसाब से स्थगित कर दिया है। मार्गदर्शक मंडल में तो कोई नहीं जा रहा है उलटे संसदीय बोर्ड को रिटायर नेताओं से भर दिया गया है। बिल्कुल शाब्दिक अर्थों में जो नेता रिटायर हो गए हैं उनको संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया है। पिछले दिनों बीएस येदियुरप्पा ने सक्रिय राजनीति से रिटायर होने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वे अपनी पारंपरिक शिकारीपुरा सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे। येदियुरप्पा ने क्षेत्र के लोगों से अपने बेटे बीवाई विजयेंद्र का समर्थन करने की अपील की। उनकी उम्र ७६ साल है और वे रिटायर हो गए हैं फिर भी भाजपा ने उनको संसदीय बोर्ड में जगह दी। कर्नाटक में अगले साल होने वाले चुनाव की मजबूरी में भाजपा रिटायर और उम्रदराय येदियुरप्पा को सबसे बड़ी ईकाई में शामिल किया। इसी तरह सत्यनारायण जटिया भी रिटायर हो गए थे। उनका राज्यसभा का कार्यकाल २०२० में पूरा हुआ और उसके बाद वे राजनीतिक गतिविधियों से रिटायर हो गए थे। मध्य प्रदेश में भाजपा के किसी कार्यक्रम में वे हिस्सा नहीं ले रहे थे। लेकिन मध्य प्रदेश में अगले साल चुनाव हैं और शिवराज सिंह चौहान को संसदीय बोर्ड से हटाना था तो जटिया को संसदीय बोर्ड में शामिल कर लिया गया। उनकी उम्र भी ७६ साल हो गई है। वे सक्रिय राजनीति से रिटायर थे और रिटायर होने की भाजपा की ओर से तय उम्र सीमा भी पार कर चुके थे।इकबाल सिंह लालपुरा भी रिटायर आदमी हैं। पुलिस की सेवा से रिटायर होने के बाद वे २०१२ में भाजपा में शामिल हुए थे। उनकी उम्र भी ७० साल के करीब है। वे सिख हैं और पुलिस अधिकारी के तौर पर उनके नाम यह इतिहास दर्ज है कि उन्होंने जरनैल सिंह भिंडरावाले को गिरफ्तार किया था। भाजपा को पंजाब की राजनीति में पैर जमाना है और उसे एक सिख चेहरे की जरूरत है। किसान आंदोलन के बाद यह जरूरत ज्यादा महसूस की जा रही थी। इसलिए लालपुरा को जगह मिल गई। हरियाणा की सुधा यादव भी रिटायर नेता हैं। उन्होंने पहली और आखिरी बार १९९९ का लोकसभा चुनाव जीता था। उसके बाद वे २००४ और २००९ में लोकसभा का चुनाव लड़ीं और हार गईं। बाद में उनको लड़ने लायक नहीं समझा गया। उनको २०१४ और २०१९ में टिकट नहीं मिली और न राज्यसभा वगैरह मिली। वे भाजपा की राष्ट्रीय सचिव हैं लेकिन अब सीधे संसदीय बोर्ड में जगह मिल गई।

अवैध संबंधों के विरोध में की गई थी युवक की हत्या

लखनऊ। काकोरी में नकटौरा गांव निवासी दिलीप कुमार की हत्या कर दी गई। दिलीप ११ अगस्त को रहस्यमय हालात में लापता हो गए थे। दिलीप की मां शिव कुमारी ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इससे पहले कि पुलिस दिलीप की तलाश करती उसकी हत्या कर दी गई। अब पुलिस ने शिव कुमारी की मां की तहरीर पर मोहम्मद नफीस व चार अन्य के खिलाफ हत्या की एफआइआर दर्ज की है।शिवकुमारी के मुताबिक ११ अगस्त की सुबह करीब सात बजे उनका बेटा कहीं गया था। दिलीप के वापस नहीं लौटने पर शिवकुमारी ने पुलिस से शिकायत की। बुधवार को शिवकुमारी का सूचना मिली कि बड़ा गांव में नहर में किसी युवक का शव पड़ा है। परिवारजन ने जाकर देखा तो वह दिलीप का शव था। इसके बाद हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।आरोप है कि नफीस ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके बेटे की हत्या की है। पीड़िता ने नफीस पर परिवार की एक महिला से अवैध संबंध का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि उनका बेटा इसका विरोध करता था, जिसके कारण दिलीप की हत्या कर दी गई। यही नहीं आरोपित का दिलीप से लेनदेन का भी विवाद था। पुलिस नफीस को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।पुलिस उपायुक्त मध्य अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि पुलिस को घटना स्थल से कई अहम साक्ष्य मिले हैं। नफीस से पूछताछ के आधार पर घटना में शामिल अन्य लोगों के बारे में पता लगाया जा रहा है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का अनावरण किया जाएगा। पुलिस ने दिलीप की पत्नी से भी पूछताछ की तैयारी कर रही है।

जयंती पर याद किए गए भारत रत्न राजीव गांधी

लखनऊ। तुम मुझे यूं भूला न पाओगे,जब–जब मोबाइल से करोगे बात मुझे यूं याद करोगे । यह लाइने आज के दिन कई लोगों की जुबान पर है और हो भी क्यों न क्योंकि आज भारत में संचार क्रांति लाने वाले भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री रजीव गांधी की ७८वीं जयंती है। इस अवसर पर राजधानी स्थित क्रांग्रेस कार्यालय पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की दूरदर्शिता व सादगी को याद किया। कई कार्यकर्ता उनकी बात करते करते भावुक भी हो गये। कांग्रेस पार्टी के सीनियर लीडर व पूर्व विधायक सतीश अजमानी पूर्व प्रधानमंत्री के साथ बिताये दिनों को याद करते हुये भावुक हो गये। उन्होंने राजीव गांधी के साथ चुनाव के दिनों को याद करते हुये कहा कि दो चुनाव में मैं राजीव जी के साथ रहा। हमलोग जीप से चुनाव प्रचार करते थे। वह बताते हैं कि जीप में आगे राजीव जी बैठते थे,मै और अमिताभ बच्चन के छोटे भाई जीप की पिछली सीट पर बैठे होते थे,उस समय लोगों को प्लास्टिक के बिल्ले दिये जाते थे। एक बार राजीव जी जब बिल्ला

देने का काम कर रहे थे,तो उनका जीप में लगे सीशे से हाथ कट गया,काफी खून बहने लगा। हमलोग भाग कर एक गांव में पहुंचे वहां पर एक सरकारी अस्पताल से कंपाउंडर बुलाकर लाये,तब पट्टी हुई और राजीव जी फिर से कार्य पर जुट गये। कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी बताते हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का देश की प्रगति में अहम योगदान रहा है। वह भारत में सूचना क्रांति के जनक हैं। उन्होंने बताया कि राजीव जी कहा करते थे कि प्रौद्योगिकी ही गरीबी मिटा सकती है। आज जो हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल व कंप्यूटर है वह राजीव गांधी की दूरदर्शी सोंच का ही नतीजा है। भारत में पहले गांवों का विकास जरूरी है,तभी देश की तरक्की हो सकती है। यह राजीव जी अक्सर कहा करत थे। देश में नवोदय विद्यालय की स्थापना, पंचायती राज अधिनियम यह सभी कुछ राजीव गांधी की देन है। कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने बताया कि नौजवानों को १८ साल की उम्र में वोट देने का अधिकार राजीव गांधी जी ने दिलाया,नहीं तो पहले २१ साल की उम्र में वोट देने का अधिकार था,मुझे भी इस वजह से १८ साल की उम्र में मताधिकार का अधिकार मिला और मैं भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ गया। राजीव गांधी ऐसे नेता थे जो युवाओं के दर्द को समझते थे।

धर्म के रक्षार्थ के लिए श्रीकृष्ण लेते हैं अवतार : शिवपाल

इटावा। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को यहां कांग्रेस में जाने की बात को खारिज करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने हमें गठबंधन का नहीं माना तो हम खुद ही अलग हो गये। इससे इतर, यदुवंशियों के नाम संबोधित अपने पत्र के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर शुभकामना संदेश में शिवपाल ने कहा, ''जब भी कोई 'कंस' समाज में अपने पूज्य पिता को छल–बल से अपमानित कर पद से हटाकर अनधिंत रूप से आधिपत्य स्थापित करता है तो धर्म की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण अवश्य अवतार लेते हैं। ''उन्होंने पत्र में गीता के उद्घोषक योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सभी यदुवंशजों के साथ–साथ संपूर्ण विश्व के गौरव हैं। राजनीतिक विश्लेषकों ने यादव के इस संदेश को चाचा–भतीजे (शिवपाल यादव और अखिलेश यादव) के बीच तनातनी से जोड़कर देखा है। हालांकि शिवपाल ने अपने पत्र में सपा का कोई जिक्र नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इशारों में अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। शिवपाल ने इस पत्र में कहा है, समाज में जब भी कोई कंस अपने (पूज्य) पिता को छल–बल से अपमानित कर पद से हटाकर अनधिंत रूप से अपना आधिपत्य स्थापित करता है तो धर्म की रक्षा के लिए योगेश्ध्वर श्रीकृष्ण अवश्य अवतार लेते हैं और अपने योगमाया से अत्याचारियों को दंड देकर धर्म की स्थापना करते हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण का हवाला देते हुए यदुवंशियों को धर्म की रक्षा के लिए दायित्व का बोध कराया है। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया भी ईश्वर द्वारा रचित विराट नियति और विधान का परिणाम है। शिवपाल के इस पत्र को समाजवादी पार्टी के उस

बदलाव से देखा जा रहा है जब मुलायम सिंह यादव की जगह अखिलेश यादव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, तब विरोधियों ने अखिलेश यादव पर पिता को गद्दी से उतार कर जबरन ताज पहनने का आरोप लगाया था। इटावा में पत्रकारों ने बातचीत में जब शिवपाल सिंह यादव से कांग्रेस में जाने की अटकलों के बाबत पूछा गया तो उन्होंने इसे फर्जी खबर बताया। आगामी आम चुनाव में अखिलेश यादव को विपक्ष को एकजुट करने की तैयारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को अपनी कमियां दिखाई नहीं देती हैं, सपा अगर अपनी कमियों को दूर कर ले तो ये सब बातें नहीं होती, जो हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बात करो तो हम विपक्ष को एक करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि अखिलेश का नाम लिए बगैर शिवपाल ने कहा, ''जब हमें ही गठबंधन का नहीं माना तो हम खुद ही अलग हो गये। अब अपनी पार्टी को मजबूत करने और इसे बढ़ाने में लगे हैं और इसलिए हमने पार्टी में युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी है। शिवपाल, अखिलेश के चाचा और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई हैं। चाचा–भतीजा के बीच २०१६ में सपा की सरकार रहते ही अनबन शुरू हुई तो फिर दोनों के रास्ते जुदा जुदा हो गये। शिवपाल ने २०१८ में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) का गठन किया लेकिन २०२२ के विधानसभा चुनाव से पहले चाचा–भतीजा एक मंच पर आ गए। इसके बाद शिवपाल सपा के टिकट पर जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए। हालांकि चुनाव परिणाम आने के बाद ही एक बार फिर दोनों के बीच अनबन शुरू हो गई। राष्ट्रपति चुनाव में शिवपाल ने अखिलेश यादव की पसंद के उम्मीदवार यशवंत सिन्ह्या का विरोध किया तो सपा ने भी उन्हें आजाद कर दिया। शिवपाल से पत्रकारों ने जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग किए जाने के संदर्भ में सवाल किया तो उन्होंने दो टूक कहा कि छापा डालना और तफ्तीश करना ईडी का काम है, और जब शिकायत मिलेगी तो वह अपना करेगी ही। रही बात उसके दुरुपयोग करने की तो जब समीक्षा होगी तो सब सामने आ जाएगा।

जेपी नड्डा से मिले केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष की घोषणा जल्द ही होने वाली है। ज्यों–ज्यों दिन बीतते जा रहे हैं, वैसे–वैसे नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर अटकलों का बाजार भी गर्म होता जा रहा है।

बुधवार को जब यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नई दिल्ल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्य्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की तो इस पर भी राजनीतिक गलियारों में कयासबाजी फिर शुरू हो गई है। दरअसल, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को दिल्ली गए हैं। वहां उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि शविश्व की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से आत्मीय भेंट कर उत्तर प्रदेश से संबंधित महत्वपूर्ण राजनीतिक विषयों पर चर्चा कर मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया। 'भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बीच करीब एक घंटे तक चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर बात हुई है। हालांकि नए प्रदेश अध्यक्ष पर की घोषणा से पहले यह मुलाकात अहम मानी जा रही है।यूपी में प्रदेश महामंत्री संगठन के रूप में धर्मपाल सिंह की नियुक्ति के बाद चर्चा तेज हो गई है कि अब जल्द ही नए प्रदेश अध्यक्ष को भी नियुक्त किया जाएगा। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में कुल ८० में से ७५ सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कार्यक्रम और अभियानों की रूपरेखा पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन्हें उतारकर मिशन–२०२४ में जुटने के लिए नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रतीक्षा है।वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह का कार्यकाल पूरा हो चुका है। चूंकि, वह योगी सरकार में जलशक्ति मंत्री बनाए जा चुके हैं और पार्टी में एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत है, इसलिए स्वतंत्रदेव के स्थान पर नया अध्यक्ष बनाया जाना तय है।बता दें कि पिछले सप्ताह विधान परिषद में नेता के पद से स्वतंत्रदेव सिंह को हटाते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को उच्च सदन की कमान सौंपी गई है। इससे पिछड़े वर्ग के नेता मौर्य का कद बढ़ाए जाने का तो स्पष्ट संदेश है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के बाद इस पद से स्वतंत्रदेव के त्याग–पत्र ने अटकलों का बाजार भी गर्मा दिया है।

श्रीराम जन्मभूमि के आस–पास के क्षेत्र को भी विकसित करने की कवायद तेज

लखनऊ। अयोध्या में निर्माणाधीन भव्य श्रीराम मंदिर के साथ ही जन्मभूमि के आस–पास के क्षेत्र को भी विकसित करने की कवायद तेज हो गई है। योगी सरकार लगभग नौ अरब रुपये की लागत से जन्मभूमि तक सुगम पहुंच के लिए सड़कों को चौड़ी, सुंदर और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसके लिए पहली किश्त के रूप में १०७ करोड़ रुपये शासन की ओर से जारी कर दिए गए हैं।लोक निर्माण विभाग को तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव धर्मार्थ कार्य अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि सहादतगंज से नया घाट मार्ग के मेन स्पाइन रोड, जिसकी लंबाई तकरीबन १२.६४० किलोमीटर है, के निर्माण की कुल लागत ७.६७ अरब रुपये है। इसकी पहली किश्त के रूप में एक अरब रुपये की वित्तीय स्वींति दे दी गई है। वहीं, सहादतगंज–नया घाट मार्ग के सुग्रीव किला होते हुए श्रीराम जन्मभूमि तक कुल लंबाई ०.५६६ किमी के लिए चार लेन मार्ग के निर्माण की योजना है। इसके लिए ३६.४३ करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गई है, जिसमें से ३.६८ करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। फैजाबाद–अयोध्या मुख्य मार्ग से हनुमान गढ़ी होते हुए जन्मभूमि तक के मार्ग निर्माण और

भूमि–भवन के क्रय व पुनर्वास के लिए ६२.७८ करोड़ रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वींति प्रदान की गई है। जिसमें से ३.१० करोड़ रुपये जारी कर दिया गया है। बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ अपनी पहली पारी से ही रामनगरी की सूरत बदलने के लिए गंभीर दिख रहे हैं। उन्होंने पिछली सरकार में अयोध्या के कई दौरे भी किए। अब मंदिर निर्माण के साथ योगी सरकार ने शहर की सूरत बदलने को लेकर रोडमैप तैयार कर लिया है।

घर में घुसकर युवती की रिश्तेदारों ने लोहे की राड से की पिटाई , मुकदमा दर्ज

लखनऊ। जमीनी विवाद में घर में घुसकर एक युवती की रिश्तेदारों ने लोहे की राड से पिटाई कर दी। सीसी कैमरे में पूरी घटना कैद हुई है। गोमतीनगर थाने में पीड़िता ने पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है, इसके बावजूद पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। युवती को अब तक इंसाफ नहीं मिल सका है। डर के कारण युवती घर से बाहर भी नहीं निकल रही है।गोमती नगर के विपुल खंड में पीड़िता परिवार के साथ रहती है। वह रियल एस्टेट का काम करती है। पीड़िता ने बताया कि ११ अगस्त की देर शाम उनकी मौसी के बच्चों ने घर में घुसकर उनकी राड से पिटाई की। विरोध करने पर घर से बाहर निकालकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घर के बाहर लगे सीसी कैमरे में घटना रिकार्ड हुई है। जहां ये भी देखा जा सकता है कि पिटाई करने के बाद आरोपितों ने लोहे की राड से कैमरा भी तोड़ दिया।इस दौरान वह घर में अकेली थीं। पुलिस को सूचना देने के बाद पीड़िता का मेडिकल कराकर मौसी माया, उनके बेटे मनीष, आशीष, अंकिता व राजू श्रीवास्तव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अब पीड़िता का कहना है कि एक सप्ताह बीतने को है लेकिन उनको अब तक इंसाफ नहीं मिल सका है।पीड़िता के मुताबिक, २०२१ में जमीन का बंटवारा किया गया था। सभी को अपने हिस्से की जमीन दी गई। जमीन का कुछ हिस्सा उनके नाम भी किया गया। तभी से मौसी व उनके बच्चे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इससे पहले भी पुलिस से शिकायत की जा चुकी है लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। बताया गया था कि मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज किए जाएंगे, लेकिन अब तक कोई बयान नहीं लिया गया है।दोनों की ओर से शिकायत मिली है। अभी मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपितों के खिलाफ ठोस कदम उठाए जाएंगे, पूछताछ जारी है। सीसी कैमरे की फुटेज के आधार पर सख्त आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। – दिनेश चंद्र मिश्रा, इंस्पेक्टर, गोमती नगर

बड़ा इमामबाड़ा घुमाने के बहाने युवती से दुष्कर्म

लखनऊ। लखनऊ में महिला अपराध के मामले कम नहीं हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में महिलाओं से दुष्कर्म के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। ताजा मामला मलिहाबाद क्षेत्र की एक किशोरी के घरवालों ने दर्ज कराया है। किशोरी का एक करीबी युवक उसे इमामबाड़ा घुमाने के बहाने से बाहर लेकर गया था। इस दौरान उसने रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद अपने दोस्तों को सौंप कर फरार हो गया। युवती का आरोप है कि युवक ने रास्ते में किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। आरोपित अपने दोस्तों के पास किशोरी को छोड़कर भाग निकला। किसी तरह युवती अपनी जान बचाकर वहां से अपने घर पहुंची और परिवार जन को मामले की जानकारी दी। बिटिया के साथ हुई घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।परिवार के लोग उसे लेकर मलिहाबाद थाने पहुंचे और आरोपित के बारे में शिकायत दर्ज कराई। इससे पहले पीड़ित परिवार ने आरोपित को फोन किया तो वह अभद्रता करने लगा। यही नहीं आरोपित ने पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस का कहना है कि आरोपित फैसल किशोरी को घुमाने के बहाने १३ अगस्त को लेकर गया था। रास्ते में आरोपित दुबग्गा में अपने एक परिचित के यहां ले जाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। आरोप है कि इमामबाड़ा पर फैसल के परिचित युवक और युवती पहले से मौजूद थे, जिनके पास आरोपित ने किशोरी को छोड़ दिया।किशोरी के पास वापस लौटने के लिए कोई साधन नहीं था। किसी तरह वह देर रात में घर पहुंची और घरवालों को आप बीती बताई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है। अभी तक आरोपित का सुराग नहीं लग सका है।

ओपी राजभर ने की योगी सरकार की फिर से की तारीफ

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने योगी आदित्यनाथ सरकार की फिर से तारीफ की है। उन्होंने प्रदेश सरकार के सरकारी नौकरियों में ओबीसी में शामिल ७६ अतिपिछड़ी जातियों के प्रतिनिधित्व का आकलन करने के फैसले का स्वागत किया है।सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने कहा कि इस आकलन के बाद जो तथ्य सामने आए उसके मुताबिक उपेक्षित व वंचित जातियों को उनका हक देने का काम प्रदेश सरकार करे। अति पिछड़ी जातियों को उचित न्याय देने के लिए प्रदेश सरकार को सामाजिक न्याय समिति की सिफारिशों को लागू करने पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। तभी ओबीसी में शामिल ७६ अतिपिछड़ी जातियों को उनका प्रतिनिधित्व मिल पाएगा। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहले कार्यकाल में मंत्री रहते हुए उन्होंने अति पिछड़ी जातियों की भागीदारी और हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की लम्बी लड़ाई लड़ी। जिसके बाद सामाजिक न्याय समिति का गठन सरकार ने किया था।समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी थी लेकिन उसकी सिफारिशों पर अमल नहीं किया गया। प्रदेश सरकार को बिना देरी किए आकलन का काम पूरा करने के साथ इन जातियों को न्याय देने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगातार सामाजिक न्याय समिति की सिफारिशों को लागू करने की लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक किए जाने पर प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाई है।ओमप्रकाश राजभर ने सरकारी नौकरियों में ओबीसी में शामिल ७६ उप जातियों की सरकारी नौकरियों में हिस्सेदारी का आकलन कराने के फैसले पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया है।उन्होंने सरकार से मांग की है कि लोकसभा चुनाव २०२४ से पहले सामाजिक न्याय समिति की सिफारिशों को पूरी तरह लागू कर अतिपिछड़ो को भागीदारी देने का काम करे। समिति ने गहन अध्ययन के बाद जो वस्तुस्थिति से उसे अपनी रिपोर्ट में शामिल किया है। उसी के आधार पर सिफारिशें भी की गई हैं।ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश सरकार यदि ऐसा करती है तो अति पिछड़े वर्गों के साथ हो रहे सामाजिक अन्याय से मुक्ति मिलेगी और उनकी भागीदारी होने की उम्मीद जगेगी और इस वर्ग को वास्तविक सामाजिक न्याय मिल पाएगा।बता दें कि सरकारी नौकरियों में पिछड़ी जातियों के लोगों का क्या प्रतिनिधित्व है, इसका पता लगाने को लेकर योगी सरकार नए सिरे से सभी विभागों में पिछड़ी जातियों के प्रतिनिधित्व का आकलन कराने का अभियान चलाने का फैसला किया गया है।इसके लिए सरकार ने सभी विभागों से ब्यौरा मांगा है। इससे यह पता लगाया जा सके कि सभी विभागों में प्रदेश की पिछड़ी जातियों की ७६ उप जातियों में से किस जाति का कितना प्रतिनिधित्व है और कितने कर्मचारी हैं।

देश बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ''जल जीवन मिशन''के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के अभियान को एक ''बड़ी सफलता'' और सबके प्रयास का ''बेहतरीन उदाहरण'' करार देते हुए कहा कि ''सरकार बनाने के लिए उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती लेकिन देश बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है''। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने वाला गोवा देश का पहला राज्य बना है। इस अवसर पर यहां आयोजित ''हर घर जल उत्सव'' कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा किउनकी सरकार देश बनाने के प्रयासों के तहत वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का लगातार समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले तीन सालों में सात करोड़ ग्रामीण परिवारों को पाइप के पानी की सुविधा से जोड़ा है, जिसकी वजह से आज देश के १० करोड़ ग्रामीण परिवार पाइप से स्वच्छ पानी की सुविधा से जुड़ चुके हैं जबकि आजादी के सात दशकों में देश के सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण परिवारों के पास ही पाइप से पानी की सुविधा उपलब्ध थी। उन्होंने कहा, ''यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है।'' परोक्ष रूप से कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्हें देश की परवाह नहीं होती, उन्हें देश के वर्तमान या भविष्य से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग पानी के लिए बड़ी–बड़ी बातें जरूर कर सकते हैं लेकिन कभी पानी के लिए एक बड़े दृष्टिकोण के साथ काम नहीं कर सकते।'' जल सुरक्षा को २१वीं सदी की सबसे

बड़ी चुनौती करार देते हुए प्रधानमंत्री ने चिंता जताई कि पानी का अभाव, विकसित भारत के संकल्प की राह में बहुत बड़ा अवरोध बन सकता है इसलिए इससे निपटने के लिए सेवा व कर्तव्य भाव से चौबीसों घंटे काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार बीते आठ वर्षों से इसी भावना के साथ जल सुरक्षा के कार्यों को पूरा करने में जुटी है। यह सही है कि सरकार बनाने के लिए उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती, लेकिन देश बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है।'' उन्होंने कहा, ''यह सबके प्रयास से होती है। हम सभी ने देश बनाने का रास्ता चुना है। इसलिए देश की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का लगातार समाधान कर रहे हैं।'' जनभागीदारी, हितधारकों की साझेदारी, राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों के पूरे इस्तेमाल को ''जल जीवन मिशन'' की सफलता के चार मजबूत स्तंभ बताते हुए मोदी ने कहा कि तीन साल पहले लाल किले से उन्होंने जो सपना देखा था वह आज सफल होते दिख रहा है। जल जीवन मिशन भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसकी घोषणा १५ अगस्त, २०१६ को प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से की थी। इसका उद्देश्य २०२४ तक देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिए नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में, निर्धारित गुणवत्ता के पेयजल की आपूर्ति का प्रावधान करना है। यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी में कार्यान्वित किया जाता है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान, खुले में शौच से मुक्ति और जल जीवन मिशन को केंद्र सरकार की तीन बड़ी उपलब्धियां बताई और कहा कि यह सबके प्रयास से ही संभव हो सका है।

चिंता का विषय है चरम सीमा की महंगाई व बेरोजगारी : अखिलेश

लखनऊ । देश के ७६वें स्वतंत्रता दिवस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में सोमवार को तिरंगा फहराया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मौके पर तेजी से बढ़ रही महंगाई तथा बेरोजगारी को लेकर अपनी चिंता भी जताई।लखनऊ के जनेश्वर मिश्रा पार्क में झंडा फहराने के बाद अखिलेश यादव कुछ पूर्व सैनिकों तथा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी मिले। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता की ७५वीं जयंती पर हम आज जब आजादी की खुशियां मना रहे हैं, वहीं हमारे देशवासियों के सामने चुनौती भी है। हमारे लिए

चिंता का विषय है कि महंगाई तथा बेरोजगारी चरम सीमा पर है। दुनिया के तमाम आंकड़ो को देखें तो स्वास्थ्य, प्रेस की आजादी आदि में हमारा देश काफी पीछे नजर आता है। अब तो यह चिंता का विषय है कि हमारा देश बाकि देशों के मुकाबले आगे कैसे बढ़े। अखिलेश यादव ने कहा कि आज दिल्ली के लाल किला पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो भी घोषणा की है, उन सभी पर अमल किया जाना बहुत जरूरी है। मेरा मानना है कि जो लालकिला से संकल्प लिए जाएं वह पूरे होने चाहिए। हमारे देश में बेरोजगारी कम होना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर हमारा देश बहुत पीछे है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज हम भले ही आजादी के ७५ वर्ष पूरा होने की खुशी मना रहे हैं, लेकिन हमें चिंता भी करनी चाहिए। हम चिंता करें कि देश में जाति का भेदभव कैसे दूर होगा। हम सभी मामलों में गंभीर हो जाएं तो दुनिया में हमारा देश की काफी आगे बढ़ता हुआ नजर आएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने हमेशा राष्ट्रीय त्योहारों को मनाया है। १५ अगस्त के साथ ही २६ जनवरी पर भी सभी ने काफी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। आज पानी नहीं बरस रहा है प्रदेश में तो सूखे की स्थिति है। हमारा पर्यावरण कैसे सुरक्षित हो इस दिशा में भी काम काफी जरूरी होता जा रहा है। हमारे देश की एकता के कारण ऐसा समय आया जब अंग्रेजों को भारत छोडना पड़ा। आज हम आजादी की खुशियां मना रहे हैं और खुशी के समय पर आजादी के संकल्पों को याद दिला रहे हैं। देश के सामने चुनौतियां भी हैं। उन्होंने कहा कि आओ हम सब मिलकर एक ऐसी आजादी का जश्न मनाएं। जिसमें हम सौहार्द, बराबरी, खुशहाली का परचम लहराएं। अखिलेश यादव ने कहा कि डिजिटल के दौर में हमारी डेमोक्रेसी कितनी सुरक्षित है, यह भी सोचने का विषय है। हमारे देश का इतना मजबूत लोकतंत्र है, लेकिन बेहद असुरक्षित भी है। नोएडा में एक महिला को कितना अपमानित किया गया। किस भाषा से अपमानित किया गया। सब को यह पता था कि वह व्यक्ति भाजपा से जुड़ा था। भाजपा को सोचना चाहिए कि कार्यकर्ता की भाषा क्या है।

लखीमपुर खीरी में समाप्त हुआ किसानों का आंदोलन, भविष्य की रणनीति के लिए छह सितंबर को दिल्ली में बैठक

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में लगभग ३ दिनों से जारी किसानों का आंदोलन अब समाप्त हो गया है। बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के बाद यह तुरंत निर्णय लिया गया है। किसानों के आंदोलन में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत भी शामिल हुए थे। राकेश टिकैत की ओर से आंदोलन वापस लेने की घोषणा की गई है। साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि भविष्य की रणनीति तय करने के लिए ६ सितंबर को दिल्ली में एक बड़ी बैठक होगी। आपको बता दें कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी समेत विभिन्न मांगों को लेकर किसानों का यह आंदोलन चल रहा था। किसानों की ओर से ७५ घंटे के आंदोलन के बाद कहीं गई थी। हालांकि, आज अधिकारियों से बैठक के बाद इसकी समाप्ति की भी घोषणा की गई है। शुक्रवार को इस आंदोलन को राकेश टिकैत ने संबोधित किया था। अपने संबोधन में टिकैत ने साफ तौर पर किसानों से कहा था कि बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन के लिए उन्हें हर समय तैयार रहना होगा। इसके साथ ही यह भी कहा कि राष्ट्रव्यापी आंदोलन कब, कहां और किस तरह से होगा, इसका निर्णय उचित समय पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा लिया जाएगा। राकेश टिकैत की ओर से दावा किया गया था कि अगर संयुक्त किसान मोर्चा कमजोर होता है तो सरकार किसानों पर हावी हो जाएगी जो

कि सही संकेत नहीं है। किसानों के इस आंदोलन में न्यूनतम समर्थन मूल्य का भी मुद्दा उठा। इस आंदोलन को देश के अलग–अलग हिस्सों से आए किसान नेताओं का भी समर्थन हासिल था। आपको बता दें कि लखीमपुर खीरी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा का पैतृक जिला है। पिछले साल अक्टूबर महीने में ही यहां गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा पर किसानों को कुचलने का आरोप लगा था। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री पर निशाना साधते हुए राकेश टिकैत ने अपने संबोधन में कहा, पूरा देश तिकुनिया हिंसा के बारे में अच्छी तरह से जानता है और यह भी सबको पता था कि हिंसा भड़काने वाले कौन थे। अजय कुमार मिश्रा को भारतीय दंड संहिता की धारा १२०बी का आरोपी बताते हुए टिकैत ने कहा, यह विडंबना है कि मंत्री अब भी अपने पद पर बने हुये हैं। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा १२०बी अपराध करने के लिए आपराधिक साजिश से संबंधित है। टिकैत ने कहा कि ७५ घंटे लंबे धरने के बाद भी किसानों को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहना चाहिए। टिकैत ने कहा कि गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा को बर्खास्त करने के अलावा जेल में बंद निर्दोष किसानों की रिहाई, एमएसपी गारंटी कानून, बिजली संशोधन विधेयक २०२२ को वापस लेने, गन्ना बकाया का भुगतान और सरकार के भूमि अधिकार समेत कई अन्य मुद्दे किसानों के सामने हैं। उन्ह्होंने जोर देते हुए कहा, अजय कुमार मिश्रा का मुद्दा किसानों के आंदोलन के दौरान शीर्ष पर बना रहेगा, चाहे वे कर्नाटक, उप्र या देश के किसी अन्य हिस्से में हों।''

आशियाना में तिरंगा यात्रा के दौरान बवाल

लखनऊ। बंगला बाजार आशियाना में सोमवार को तिरंगा यात्रा के दौरान गुट आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया। पथराव में एक गुट के युवक को चोट आई है। दोनों गुट तिरंगा यात्रा निकाल रहे थे। इसी दौरान वे आमने–सामने आ गए। डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह के मुताबिक, एक गुट तिरंगा यात्रा लेकर तेलीबाग की ओर जा रहा था। वहीं, दूसरा गुट आशियाना की तरफ जा रहा था। रास्ते में दोनों पक्षों में टकराव हो गया।छानबीन में पता चला कि जेल में बंद सोनू रावत के गुट ने दूसरे पक्ष पर पथराव किया था। हमले में रवि नाम का युवक घायल हो गया। बवाल की जानकारी पाकर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर दो वाहन क्षतिग्रस्त मिले, जिन्हें पुलिस ने कब्जे में ले लिया। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था ने आशियाना थाने जाकर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने आयुष की तहरीर पर सौरभ उर्फ भूरी, फैजान, मंगल रावत, दीलिप, विशाल, आर्यन रावत, बरुन, विपिन कनौजिया, अभिषेक और राहन रंगबाज व अन्य के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर लिया है। आयुष के मुताबिक, वह स्थानीय विधायक के तिरंगा यात्रा के समर्थन में तेलीबाग से साथियों के साथ निकला था। इसी दौरान उन पर हमला किया गया। आरोपितों पर पूर्व में भी कई मुकदमें दर्ज हैं। आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने दोहराया एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प

लखनऊ। देश की आजादी के ७५ वर्ष पूरे होने तथा ७६वें स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधान भवन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने ७६वां स्वतंत्रता दिवस ६ ूमधाम से मनाने की तैयारी की थी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नौ बजे लखनऊ के विधान भवन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता के नाम संदेश भी दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के उत्सव पर आप सबको बधाई। देश आजादी के ७५ वर्षों का साक्षी बन रहा। इन ७५ वर्षों में देश ने लंबी यात्रा तय की है। अब तो अमृत काल की नई कार्ययोजना के साथ आगे बढने का अवसर मिला है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को शत शत नमन। देश की आजादी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों को नमन। बलिदान देकर भारत को सुरक्षा की गारंटी देने वाले सेनानियों, सैनिकों को विनम्र श्रद्धांजलि।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा है कि हम प्रदेश को जहां पारदर्शी व जवाबदेह शासन दे रहे हैं, वही ईमानदार और संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में हमने प्रदेश में विकास और सुशासन की नींव तैयार की है। अगले पांच वर्षों में प्रदेश में प्रगति और समृद्धि की भव्य इमारत आकार लेगी। यह भव्य इमारत नए भारत का नया उत्तर प्रदेश होगा। योगी आदित्यनाथने पिछले पांच वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, वीर सैनिकों और पद्म पुरस्कार पाने वाली विभूतियों को सम्मानित भी किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने अमृत महोत्सव में आमजन को जोड़कर इसको राष्ट्रीय उत्सव बनाया है। हमने तो पूरे देश मे मौन मार्च के जरिए विभाजन की त्रासदी को भी स्मरण किया। यह सभी कार्यक्रम हमें अतीत की विरासत के साथ जोड़ते हैं। मै तो प्रदेश की विभूतियों का सम्मान और उनके दीर्घ जीवन की कामना करता हूं। सीएम योग आदित्यनाथ ने कहा कि आज का मौसम भी गवाही दे रहा और प्रकृति भी अपना आशीर्वाद दे रही है। हमने सदी की सबसे बड़ी महामारी का सामना किया है। उस दौरान यूपी की जनता ने आत्म अनुशासन का परिचय दिया। हमारी टीम भाव से काम का परिणाम सबके सामने है। संकट काल में सर्वाधिक टेस्ट करने तथा टीका के साथ सबसे ज्यादा खाद्यान्न उपलब्ध कराने वाला राज्य उत्तर प्रदेश ही बना।उन्होंने कहा कि प्रदेश में ३७ वर्ष बाद कोई सरकार रिपीट हुई है। कोई मुख्यमंत्री लगातार पांच वर्ष काम करके फिर आज सेवा के लिए खड़ा है। यह भी पहली बार हुआ है। सेवा, सुरक्षा, तथा सुशासन हमारी प्राथमिकता है। हमने पांच वर्ष में

प्रदेश में २.६१ करोड़ शौचालय, ४३ लाख आवास देने के साथ ही साथ घरों तक बिजली पहुंचाई है। १५ करोड़ परिवारों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया है। १.७० करोड़ परिवारों को निशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किए गये हैं। आज तो यूपी निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी की जीडीपी को दोगुना करने में सफलता मिली है।

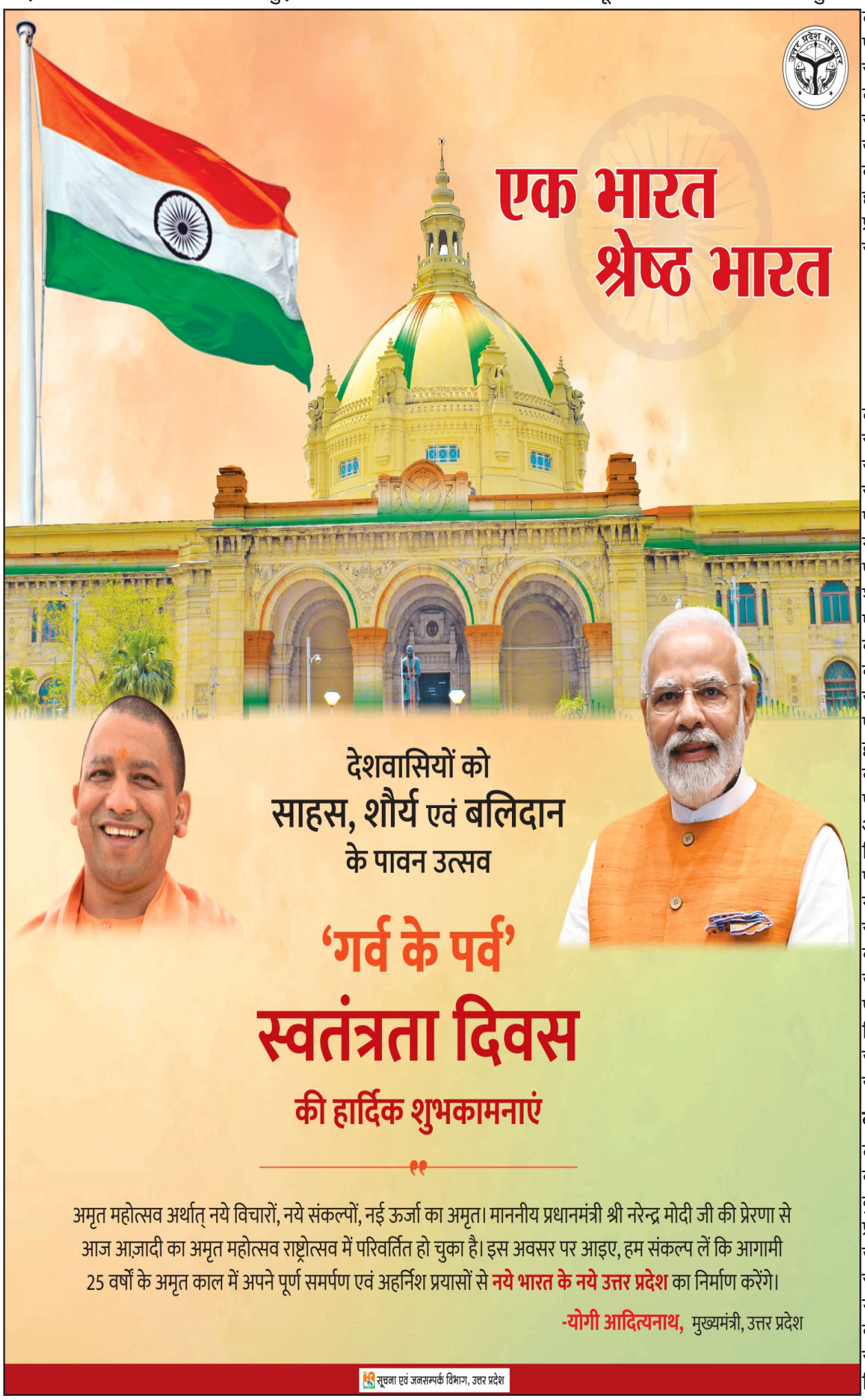

'एसी कमरों' में बैठकर ट्वीट न करें मायावती, सड़क पर उतरकर देखें विकास कार्य अनिल राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती के बयान पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि वह एसी (वातानुकूलित) वाले कमरों में बैठकर ट्वीट न करें और सड़क पर उतरकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों को देखें। यहां दौरे पर आये राजभर ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत की। मायावती द्वारा भाजपा सरकार के विकास कार्यों को ''छलावा'' करार दिए जाने के संबंध में जब पत्रकारों ने मंत्री से सवाल किया तो जवाब में उन्ह्होंने मायावती पर उपरोक्ध्त तंज किया। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट कर आरोप लगाया था, "बांदा जिले में यमुना नदी पर निर्माणाधीन पुल के वर्षों से अधूरे पड़े रहने के कारण नाव हादसे में कई लोगों की मौत, हापुड़ में पेशी पर आए आरोपी की दिनदहाड़े हत्या और अब हमीरपुर में सामूहिक

दुष्कर्म की दर्दनाक घटना साबित करती है कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज है तथा विकास का ढिंढोरा छलावा मात्र है!" अनिल राजभर ने दावा किया, ''हम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरे हैं, तभी जनता ने हमे दोबारा सरकार बनाने का मौका दिया है। हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं क्योंकि चिकित्सकों की बेहद कमी है और जब मेडिकल कॉलेज हर जिले में बन जायेंगे तो नए डॉक्टर सेवा के लिए उपलब्ध होंगे।

कृष्णा नगर पुलिस ने व्यापारियों संग की बैठक

लखनऊ। कृष्णा नगर कोतवाली प्रांगण में बुधवार शाम कोतवाली प्रभारी आलोक राय ने जाम व अतिक्रमण की समस्या को दूर करने एवं यातायात को सुगम बनाने के लिए क्षेत्रीय व्यापारियों संग बैठक का आयोजन किया गया द्य इस दौरान कोतवाली प्रभारी ने पक्के दुकानदारों को हिदायत दी कि अपनी अपनी दुकानों के सामने ठेले खुमचे खड़ा कर अतिक्रमण न फैलाये और अनावश्यक रूप से वाहनों की पार्किंग न कराये साथ ही होटल व प्रतिष्ठानों को हिदायत दिए कि अपने अपने होटलो में समयावधी तक ही डीजे बजाये और साउंड गति धीमी रखे ।

सिसोदिया पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली। दिल्ली की शराब नीति में कथित गड़बड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई ने आखिरकार दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर मुकदमा दर्ज किया और उनके यहां छापा मारा। पिछले दिनों दिल्ली के उप राज्यपाल ने शराब नीति की जांच के लिए सीबीआई को लिखा था। सीबीआई ने इस मामले में १७ अगस्त को एफआईआर दर्ज की और १६ अगस्त की सुबह सिसोदिया सहित आबकारी विभाग के कई अधिकारियों और दिल्ली के कारोबारियों के यहां छापा मारा। सीबीआई ने इस मामले में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एफआईआर में पहला आरोपी बनाया है। इस एफआईआर में कुल १५ आरोपी हैं। केंद्रीय एजेंसी ने भ्रष्टाचार निरोधक कानून १९८८ की धारा १२०बी और ४७७ए के तहत केस दर्ज किया है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नई शराब नीति बनाने और इसे लागू करने में कई बिचौलिए और कारोबारी शामिल थे। एजेंसी ने सिसोदिया के कई करीबियों पर पैसे लेने का आरोप लगाया है। एजेंसी के मुताबिक शराब की दुकानों का लाइसेंस लेने वालं से मनीष सिसोदिया के करीबी अमित अरोड़ा, दिनेश अरोड़ा और अर्जुन पांडे

कमीशन लिए। सीबीआई के मुताबिक मेसर्स इंडोस्प्रिट्स ने सिसोदिया के करीबी सहयोगी दिनेश अरोड़ा से जुड़ी कंपनी को एक करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। अर्जुन पांडे ने एक बार समीर महेंद्रू से विजय नायर की ओर से अफसरों को देने के लिए करीब दो से चार करोड़ रुपए रुपए इकठ्ठे किए। दिल्ली की शराब नीति में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सीबीआई ने शुक्रवार को दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर के अलावा दिल्ली सहित सात राज्यों में २० अन्य जगहों पर तलाशी ली। जानकार सूत्रों के मुताबिक एजेंसी के अधिकारियों ने एक अधिकारी के घर से नई आबकारी नीति से संबंधित गोपनीय आधिकारिक फाइलें जब्त की हैं। कई घंटे की छापेमारी के बाद भी कहीं से नकद बरामदगी की खबर नहीं है। सिसोदिया के अलावा आबाकारी विभाग के तीन अधिकारियों और नौ कारोबारियों के यहां छापा मारा गया है। गौरतलब है कि नई शराब नीति नवंबर में लागू हुई थी। इस तहत शराब की दुकान के लाइसेंस निजी कारोबारियों को दिए गए थे। शराब की दुकानों की संख्या बढ़ाई गई थी और बार–रेस्तरां में शराब परोसने का समय भी बढाया गया था। उप राज्यपाल की ओर से इसकी जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद दिल्ली सरकार ने इस शराब नीति को वापस ले लिया और पुरानी शराब नीति ही जारी रखने का ऐलान किया।

खुदरा महंगाई के बाद अब थोक महंगाई में भी गिरावट थोक महंगाई १३.६३ फीसदी

नई दिल्ली। खुदरा महंगाई के बाद अब थोक महंगाई में भी गिरावट आई है। हालांकि थोक और खुदरा महंगाई की कीमतों में गिरावट के बावजूद वस्तुओं की कीमतों में इजाफा जारी है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई की दर में गिरावट देखने को मिली है। थोक महंगाई १३.६३ फीसदी पर आ गई है। इससे पहले जून के महीने में ये १५.१८ फीसदी पर थी। थोक महंगाई में यह गिरावट खाने–पीने की चीजों की कीमतों में कमी की वजह से है। खाद्य महंगाई दर १२.४१ से कम होकर ६.४१ फीसदी पर आ गई है। इस गिरावट के बावजूद थोक महंगाई लगातार १६वें महीने दहाई में बनी हुई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही सरकार ने खुदरा महंगाई के आंकड़ जारी किए थे। उसमें भी जुलाई महीने में कमी आई। हालांकि कमी आने के बावजूद खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक की तय सीमा से ऊपर रही। बहरहाल, जुलाई में थोक महंगाई कम होकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई है। जुलाई में खाने–पीने की वस्तुओं की महंगाई दर १२.४१ फीसदी से कम

होकर ६.४१ फीसदी पर आ गई है। खाने पीने का सामान खास तौर पर खाने का तेल और सब्जियों की कीमतों के घटने की वजह से खुदरा महंगाई दर भी कम हुई है। शनिवार को जारी किए सरकारी आंकड़ों के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर जून में घटकर ६.७० फीसदी हो गई। मई में ये ७.०१ फीसदी पर थी। हालांकि, लगातार पांचवें महीने में खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक की छह फीसदी की ऊपरी सीमा से ज्यादा रही।

आप का पीएम पर निशाना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के यहां सीबीआई की छापेमारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता से घबरा रही है और इसलिए केंद्रीय एजेंसियों को दिल्ली सरकार के मंत्रियों के पीछे लगाया गया है। पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस करके प्रधानमंत्री को निशाना बनाया। खुद अरविंद केजरीवाल ने भी इसे लेकर केंद्र पर निशाना साधा। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी पर हमला किया और कहा कि इससे पता चलता है कि ईमानदार नहीं, भ्रष्ट सरकार है। अपने उप मुख्यमंत्री के यहां सीबीआई की छापेमारी के बाद कहा– पिछले कई छापों में भी कुछ नहीं निकला था और कुछ नहीं निकलेगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि सीबीआई की छापेमारी उनके मंत्रियों के अच्छे प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के काम की वैश्विक स्तर पर भी तारीफ हो रही है। केजरीवाल ने ट्विट किया– सीबीआई का स्वागत है। पूरा सहयोग करेंगे। पूर्व में भी कई जांचछापे हो चुके हैं, कुछ नहीं निकला, अभी भी नहीं निकलेगा। केजरीवाल ने कहा– छापे उसी दिन मारे गए, जिस दिन 'न्यूय र्क टाइम्स' ने दिल्ली के शिक्षा मॉडल को लेकर मनीष सिसोदिया के बारे में छापा। पार्टी के दूसरे नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा– मनीष सिसोदिया के घर पर सीबीआई रेड महज इत्तेफाक नहीं है। बीजेपी अरविंद केजरीवाल का खत्मा करना चाहती है। चड्ढा ने आगे कहा कि पीएम मोदी सीएम अरविंद केजरीवाल की तरक्की की रफ्तार से डरते हैं।

दो छात्र गुटों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट

लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे के नवजीवन इंटर क लेज के बाहर दो छात्र गुटों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। क लेज में दाखिल हुए बाहरी लोगों ने जमकर बवाल काटा। इस दौरान कई गाड़ियों में तोड़फोड़ भी की गई जानकारी के मुताबिक दो छात्रों के बीच मामूली कहासुनी के बाद एक छात्र ने बाहर से अपने साथियों को बुलाकर उसकी पिटाई करवा दी। साथी की पिटाई होते देख क लेज के अन्य छात्र और अध्यापकों ने बीच–बचाव का प्रयास किया, जिसके बाद आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता और मारपीट की। इस दौरान गाड़ियों के शीशे तोड़ डाले। विद्यालय के प्रधानाचार्य आर सी त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार की दोपहर क लेज प्रांगण में साफ सफाई का कार्य हो रहा था। तभी कुछ बाहरी लोगों ने विद्यालय में आकर छात्रों से मारपीट शुरू कर दी। जिनको विद्यालय के छात्रों ने पकड़ने का प्रयास किया। किन्तु वह भागने में सफल रहे। इस दौरान मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने क लेज के छात्रों को पीटना शुरू कर दिया अध्यापकों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों ने अध्यापकों के साथ भी अभद्रता की प्रधानाचार्य आरसी त्रिपाठी ने प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है

एक बड़ी खेल बिरादरी हम से कट गई है और भारत की हो रही जगहंसाई

नई दिल्ली। 'रस्सी जल गई लेकिन बल नहीं गया', भारतीय फुटबाल का सर्वनाश कर दिया लेकिन एआईएफएफ के मुंह लगे और सालों साल फेडरेशन अधिकारियों को उल्टी पट्टी पढ़ाने वाले अब भी यह मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि सारे फसाद की जड़ निलंबित अध्यक्ष प्रफुल पटेल और उनके मुंशी कुशल दास और और पूरी टीम है। पटेल से पहले प्रिय रंजन दास मुंशी ने अध्यक्ष पद का मनमर्जी से इस्तेमाल किया और भारतीय फुटबाल कि शव यात्रा का जिम्मा पटेल को सौंप दिया, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम दिया। हालाँकि भारतीय फुटबाल के बहुत से बुद्धि जीवीऔर फेडरेशन अधिकारियों की चाकरी करने वाले मीडिया जीवी तरह तरह के झूठ गढ़ कर फेडरेशन का बचाव कर रहे हैं और उनमें से कुछ एक फेडरेशन में खिलाड़ियों की भागीदारी पचास फीसदी तक मांग रहे हैं। ये वही हैं, जिन्होंने भारतीय फुटबाल की बर्बादी की स्क्रिप्ट तैयार की है। आखिर क्यों ३६ पूर्व खिलाड़ियों को फेडरेशन के मतदाताओं में शामिल किया जा रहा था? इसलिए ताकि कोई उम्मीदवार इन्हें आसानी से बरगला सके और उनका वोट पा सके लेकिन फीफा और एएफसी चाहते थे कि फेडरेशन का चुनाव उनके सिस्टम के अनुसार हो और एआईएफएफ को तुरंत प्रभाव से बैन कर दिया। सीधा सा मतलब है कि फीफा ने सीओए को सिरे से खारिज कर दिया जोकि गंभीर मामला है। पता चला है कि भारतीय फुटबाल की खाने कमाने वाले, इंडियन म डल स्पोर्ट्स कोड जो देश दुनिया के पहले सौ देशों में भी स्थान नहीं बना पाया उसको कदम कदम पर फीफा की मेहरबानी पर जीना होगा। एक तरह से फीफा ने भारतीय फुटबाल को निलंबित कर सबक दिया है कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल का आदर सम्मान करना सीखें, फर्जीवाड़ा बंद करें

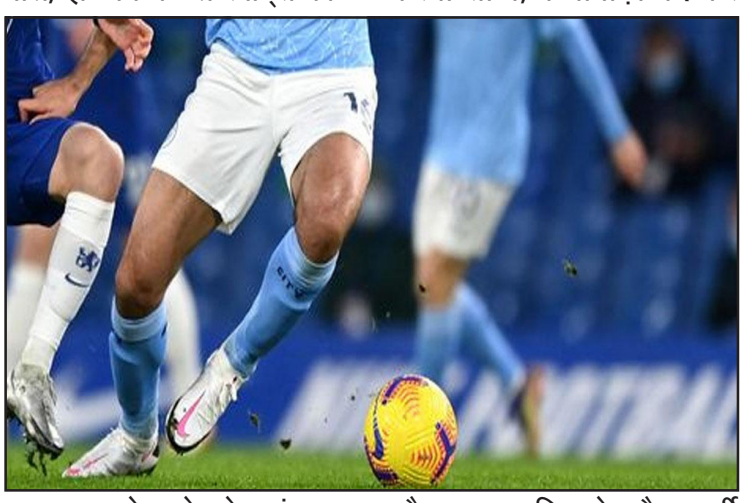

का दम भरने वाले, खेल मंत्रालय और खुद सरकार तेजी से हरकत में आ गए हैं। जो लोग पिछले पचास सालों से सोए हुए थे, जो फुटबाल की आड़ में लूट मचाए थे उनका अचानक जागना बताता है कि फीफा की ताकत क्या है। उन्हें पता चल जाना चाहिए कि यदि अब भी नहीं सुधरे तो फीफा भारत को दुनिया के फुटबाल नक्शे से बाहर भी कर सकता है। उन्हें जान लेना चाहिए कि और सत्ता हथियाने और कुर्सी नहीं छोड़ने की कुआदत से बचे। क्योंकि प्रफुल पटेल ने समय रहते पद नहीं छोड़ा इसलिए सारा विवाद हुआ है। देश का मान सम्मान गिरा और करोड़ों का नुकसान भी हुआ है। हमारे खिलाड़ी विदेशों में नहीं खेल सकते और नाही विदेशी खिलाड़ी भारत आ सकते हैं। अर्थात एक बड़ी खेल बिरादरी हम से कट गई है और भारत की जगहंसाई हो रही है।

'शिक्षा की फैक्ट्री' मानव संसाधनों के अवमूल्यन की वजह : प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एन. वी. रमण ने शनिवार को शिक्षा का एक ऐसा म डल विकसित करने पर जोर दिया जो छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करना सिखाए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि ''कुकुरमुत्ते की तरह तेजी से बढ़ते शिक्षा के कारखानों'' की वजह से (उच्च शिक्षण) संस्थान सामाजिक प्रासंगिकता खो रहे हैं। आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय (एएनयू) से डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्राप्त करने के बाद दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह की शिक्षा सामाजिक एकजुटता हासिल करने और आम नागरिक को भी समाज का सार्थक सदस्य बनाने में सहायक होनी चाहिए। सीजेआई ने भी इसी विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। न्यायमूर्ति रमण ने कहा कि युवाओं को 'परिवर्तन का प्रबुद्ध वाहक' बनना चाहिए, जिन्हें विकास के स्थायी मॉडल के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस चौतन्य को आपके संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी होने के दौरान हमारे समुदाय और पर्यावरण की जरूरतों को स्वीकार करना चाहिए।'' उन्होंने खेद व्यक्त किया कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का मुख्य केंद्रबिंदु औपनिवेशिक काल की तरह ही एक आज्ञाकारी कार्यबल तैयार करना रह गया है। सीजेआई ने कहा, ''सबसे कठोर वास्तविकता यह है कि विद्यार्थियों के प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में नामांकन कराने के बाद भी ध्यान कक्षा–आधारित शिक्षण पर होता है, न कि बाहर की दुनिया पर

आधारित।'' उन्होंने कहा कि मानविकी, प्राकृतिक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र और भाषाओं जैसे समान रूप से महत्वपूर्ण विषयों की भरपूर उपेक्षा होती है। उन्होंने कहा, "हम शिक्षा के कारखानों में तेजी से वृद्धि देख रहे हैं जो डिग्री और मानव संसाधनों के अवमूल्यन की ओर ले जा रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता कि किसे या किस तरह दोषी ठहराया जाए।'' यायमूर्ति रमण ने कहा कि यह देश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव का समय है। सीजेआई ने विश्वविद्यालयों और उनके शोध प्रकोष्ठों से देश को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और व्यापक समाधान खोजने का प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस प्रयास में अनुसंधान और नवाचार के लिए आवश्यक धनराशि निर्धारित करके सक्रिय रूप से सहयोग करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल और एएनयू के कुलाधिपति विश्वभूषण हरिचंदन ने विश्व विद्यालय के ३७वें और ३८वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। इस मौके पर शिक्षा मंत्री बी सत्यनारायण, कुलपति पी. राजा शेखर और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा और अन्य न्यायाधीश भी उपस्थित थे। बाद में, आंध्र प्रदेश सरकार ने मंगलागिरी के एक सम्मेलन केंद्र में सीजेआई के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी की। राज्यपाल, मुख्यमंत्री ,न्यायाधीशों और वरिष्ठ अधिकारियों ने इसमें हिस्सा लिया।

भूकंप का झटका आना बड़े भूकंप के खतरे का हो सकता है संकेत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार देर रात करीब १:१५ मिनट पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। तीन सेकेण्ड तक महसूस किये गये भूकंप के झटके की तीव्रता रिक्टर स्केल पर ५.२ बतायी जा रही है। विशेषज्ञ, लखनऊ में महसूस किये गये झटके को चिंता का विषय नहीं मानते हैं,लेकिन यह जरूर कहते हैं कि भूकंप के यह झटका आने वाले समय में बड़े भूकंप का संकेत हो सकता है। कौन से क्षेत्र के लिए यह भूकंप खतरे की घंटी है, इसके बारे में भी विशेषज्ञ ने बताया है। लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित भूविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार आर्य ने बताया कि लखनऊ मध्य गंगा के मैदान क्षेत्र में आता है। यह क्षेत्र पूरी तरह से सूक्ष्म कणों एवं कार्बानिक पदार्थों से मिलकर बना है। जिसकी वजह से यहां की मिट्टी बहुत उपजाऊ है। यही कारण है कि गंगा का मैदान भूकंपीय तरंगों के लिए कुशन का काम करता है। यह मैदान तरंगों के शॉक को अब्जार्ब करने का काम करता है। इसिलिये लखनऊ व आसपास के क्षेत्र भूकंप जोन ३ में आता है, यह क्षेत्र सुरक्षित माना जाता है। बीती रात १ : १५ के करीब जो ३ सेकेंण्ड का भूकंप आया है। इसमें चिंता की बात इसलिये नहीं है क्योंकि यह ८० से ८५ किलोमीटर जमीन के अंदर से उर्जा रिलीज हुई थी। बहराइच जिले में भूकंप का केंद्र रहा है। इस तरह के भूकंप को मीडियम फोकस भूकंप कहते हैं। उन्होंने बताया कि हल्के झटके आना चिंता का विषय हो सकता है। क्योंकि बहराइच के आगे नार्थ ईस्ट में जायेंगे,तो पूरी हिमालय की रेंज पड़ती है। जिसको हिमालयन फ्रटन फॉल कहते हैं। यह एक कमजोर क्षेत्र माना जाता है। उन्होंने बताया कि संभवतः हिमालयन फ्रटन फॉल के रिएक्टिवेशन की वजह से इस तरह की उर्जा रिलीज हुई होगी। लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि यह एक बड़े भूकंप का संकेत भी हो सकता है। जिसे फोर श क कहते हैं। यह बड़ा भूकंप हिमालय के क्षेत्र में आ सकता है, न कि लखनऊ और उसके आस पास के क्षेत्र में। उन्होंने बताया कि नेपाल या नैनिताल क्षेत्र में इस तरह का भूकंप, आने वाले समय में आ सकता है,क्योंकि प्रकृति उर्जा को कहीं न कहीं संतुलित करती है। उन्होंने कहा कि पांच रिऐक्टर इसकेल पर ३ सेकेंड का भूकंप आना चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने बताया कि साल २०१५ में नेपाल में एक बड़ा भूकंप आया था,जिसके झटके लखनऊ तक महसूस किये गये थे, इस भूकंप के आने से पहले नेपाल में हल्के भूकंप के झटके आ चुके थे।

११ बजे तक नहीं उठा कूड़ा तो नपेंगे निरीक्षक और सेनेटरी ऑफिसर

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने शनिवार को शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सुबह ११ बजे तक कूड़ा नहीं उठा तो सफाई निरीक्षक और जोनल सेनेटरी आफिसर पर कार्रवाई की जाएगी। मंडलायुक्त ने राजाराम मोहनराय वार्ड, गोखले मार्ग, प्राग नारायण रोड़, बालू अड्डा, क्रिश्चन कालेज के पास गोलागंज वार्ड का निरीक्षण कर अधिकारियों को क म्पेक्टर ट्रांसफर स्टेशन और हुक लोडर मशीनों की संख्या बढ़ाने को कहा। जिससे खुले में डम्प कूड़ा खत्म किया जा सके। बलरामपुर हास्पिटल के बगल में बने पीसीटीएस में लगी मशीनें खराब मिलीं जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए मशीनें तत्काल सही कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण में अपर नगर आयुक्त पंकज सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम में विशेष कार्याधिकारी (वित्त) पद पर आठ वर्षों से प्रतिनियुक्ति पर तैनात अभिमन्यु कुमार सिंह के विरुद्ध जांच के आदेश दिए गए हैं। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि

अभिमन्यु के विरुद्ध नगर निगम द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों के भुगतान में ठेकेदारों से कमीशन लेने व टेंडर में अनियमितता की काफी शिकायतें लगातार जानकारी में आ रही हैं। इससे ठेकेदारों का अनावश्यक उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने नगर निगम से अभिमन्यु की प्रतिनियुक्ति पर तैनाती की शर्तों की जांच कराकर इनको कार्यमुक्त करते हुए मूल विभाग में वापस करने को कहा है।

अद्भुत लेक 'द डेविल्स केटिल'

अमरेन्द्र सहाय अमर

हमारी दुनिया बहुत से रहस्यों से भरी पड़ी है. इनमे से कुछ रहस्य उजागर हो जाते है लेकिन कुछ नही हो पते. मानव को हमेशा से ही आज तक ये अनसुलझी गुत्थी ही बनी हुई है. ऐसी ही एक जगह है, जहां एक छोटे छेद में आधी नदी समा जाती है, लेकिन आज तक इस बात का पता नहीं चल पाया है भी वैज्ञानिक यह पता लगा पाया कि यह पानी आखिर कहां चला जाता है. बता दें कि पानी के रास्ते खोजने के लिए कई बार वाटरफाल में पिंग–पांग ब ल, कलर डाई आदि

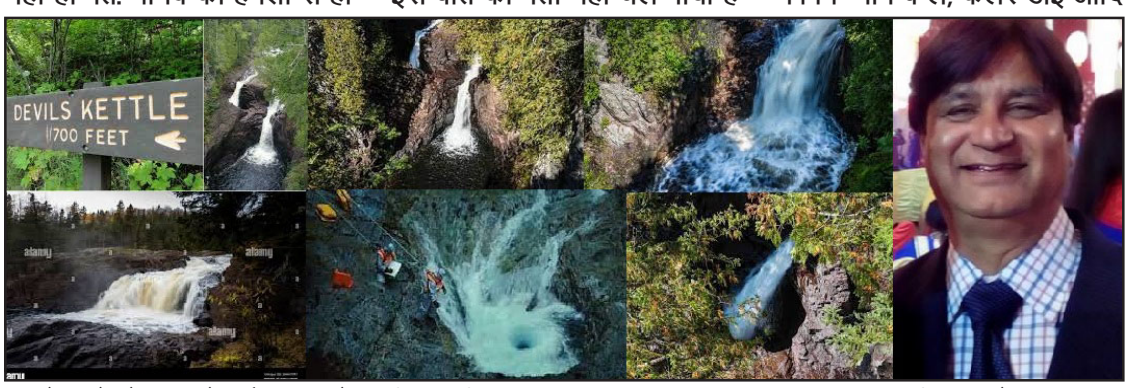

इनके बारें में जानने और इनको सुलझाने की कोशिश रही है. इसकी वजह से वैज्ञानिकों ने बहुत से रहस्यों से पर्दा हटा दिया है तो वहीं अब भी बहुत से रहस्य अनसुलझे ही हैं. इन रहस्यों को वैज्ञानिकों ने सुलझाने की कई कोशिश भी की, लेकिन कि आखिर नदी का इतना पानी कहां चला जाता है. अमेरिका का यह झरना रहस्यमय है जहां बने एक छेद को 'द डेविल्स केटल' नाम से जाना जाता है. इस छेद में नदी का आधा पानी चला जाता है, लेकिन आज तक दुनिया का कोई डाला गया ताकि इसके आधार पर इस मिस्टीरियस झरने के पानी के गंतव्य का रहस्य जाना जा सके. लेकिन दुर्भाग्य से कभी कोई सफलता नहीं मिली. आज भी द डेविल्स लेक लोगों के लिए रहस्यमय बना हुआ है।

नशेड़ी पति ने महिला सिपाही पर पेचकस और हथौड़ी से किया हमला

लखनऊ। नशे की पूर्ति के लिए एक नशेड़ी ने अपनी पत्नी पर पेचकस और हथौड़ी से हमला कर दिया। पीड़िता महिला सिपाही है। वह लखनऊ की क्राइम ब्रांच में तैनात है। बता दें कि महिला सिपाही की तहरीर पर महानगर कोतवाली पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। शनिवार को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। महानगर कोतवाली प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि बादशाह नगर राजकीय क लोनी की रहने वाली आरती मिश्रा लखनऊ क्राइम ब्रांच में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं। आरती की लिखित शिकायत के अनुसार उसकी रायबरेली के मऊ कॉलोनी निवासी संजू सिंह से शादी हुई थी। संजू आए दिन शराब पीकर विवाद करता था। शुक्रवार रात करीब ११ बजे संजू शराब के नशे में धुत होकर घर के बाहर आकर गाली–गलौज करने लगा। गेट न खोलने पर धक्का देकर घर में घुस आया और नशे के लिए पैसे मांगने लगा। पैसे देने से मना करने

पर पेंचकस और हथौड़ी से हमला कर दिया। महिला सिपाही जैसे–तैसे बच्चों को बचाकर दूसरे कमरे में आ गई। इसके बाद संजू ने घर के कई सामानों को हथौड़ी से तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। प्राथमिकी के आधार पर शनिवार को संजू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

भारत आने वाले समय में विश्व महाशक्ति बनेगाः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के हर व्यक्ति से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए पांच संकल्प के साथ अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत आने वाले समय में विश्व महाशक्ति बनेगा। योगी ने शुक्रवार को 'बलिया बलिदान दिवस' के अवसर पर जिला मुख्यालय पर आयोजित एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिए गए पांच संकल्प को पूरा करने पर विशेष रूप से जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री ने १५ अगस्त के दिन देश के नागरिकों को पांच संकल्प दिलाएं हैं, जिनके तहत हर व्यक्ति अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ेगा तो निश्चित रूप से भारत दुनिया की महाशक्ति बनेगा। आने वाले समय मे भारत दुनिया का नेतृत्वकर्ता होगा।" उन्होंने दावा किया, "आज बिना भेदभाव के सबको योजनाओं का फायदा मिल रहा है। हर गरीब को आवास, शौचालय व राशन सहित लाभकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।" योगी ने स्वतंत्रता संग्राम में बलिया के गौरवपूर्ण योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा देश आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न मना रहा है, तब मुझे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े बलिया के ऐतिहासिक बलिदान दिवस पर आने का

सुअवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा, "बलिया का अपना इतिहास है। कहा जाता है बलिया के लिए अनुशासन का कोई महत्व नहीं होता, लेकिन आजादी के बाद देश के विकास के लिए जिस अनुशासन की जरूरत थी, वह बलिया ने दिखाया।" उन्होंने कहा, "गुलामी के समय जो तेवर दिखाए जाने चाहिए था, उसे बलिया ने दिखाया। जरूरत पड़ने पर मंगल पांडेय ने बैरकपुर छावनी में स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी जलाई। यह लड़ाई लगातार चलती रही। महात्मा गांधी ने जब 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा दिया था, तब महान स्वतंत्रता सेनानी चितू पांडे ने अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन किया था।" योगी ने कहा कि गंगा और सरयू नदी के संगम पर स्थित बलिया एक पवित्र एवं पौराणिक स्थल है, जिसकी पवित्रता क्रांति के रूप में झलकती है। उन्होंने आपातकाल के दिनों की याद दिलाते हुए कहा, "आपातकाल के दौरान बलिया ने अग्रणी भूमिका निभाई। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में एक आम आदमी के मौलिक अधिकारों, उसकी सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए बड़ा आंदोलन चला। इस आंदोलन में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का योगदान अविस्मरणीय रहा।" सभा में उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी और सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त, नीरज शेखर व रवींद्र कुशवाहा मौजूद थे।

कपूर खानदान में गूंजी किलकारियां

मुम्बई। कपूर खानदान के घर किलकारियां गूंजी है। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने बेबी बॉय को जन्म दिया है। बेटे के आने की खुशी में कपूर परिवार में जश्न का माहौल बना हुआ है। इस बीच एक्ट्रेस नीतू कपूर ने सोशल मीडिया पर अपने फेंस के लिए एक स्टोरी पोस्ट की है जिसमें उन्होंने एक्टर अनिमल कपूर और सुनीता कपूर को नाना–नानी बनने की बधाई दी है। नीतू कपूर ने लिखा है, '२०.०८.२०२२ को, हमने अपने खूबसूरत बच्चे का स्वागत किया। उन सभी डॉक्टरों, नर्सों, दोस्तों और परिवार को धन्यवाद जिन्होंने इस यात्रा में हमारा साथ दिया। यह केवल शुरुआत है लेकिन हम जानते हैं हमारा जीवन हमेशा के

लिए बदल गया है। – सोनम और आनंद,'। नीतू के अलावा फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान ने भी अपने इंस्टाग्राम पर यही नोट शेयर किया है। आनंद आहूजा ने भी अपने इंस्टाग्राम पर उसी नोट को साझा करते हुए लिखा, '२०.०८.२०२२ को, हमने अपने खूबसूरत बच्चे का खुले दिल से स्वागत किया। उन सभी डॉक्टरों, नर्सों, दोस्तों और परिवार को धन्यवाद जिन्होंने हमारा समर्थन किया है। यह केवल शुरुआत है, लेकिन हम जानते हैं कि हमारा जीवन हमेशा के लिए बदल गया है। सोनम और आनंद।' नाना बने अनिल कपूर ने भी इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, २० अगस्त २०२२ को, हमारे परिवार के सबसे नए सदस्य का आगमन हुआ है। सोनम और आनंद को एक स्वस्थ बच्चे का आशीर्वाद मिला है। दादा–दादी, हरीश और प्रिया, अनिल और सुनीता, चाची और चाचा, रिया और करण, अनंत और हर्षवर्धन। सोनम को हाल ही में करण जौहर के चौट शो 'कॉफी विद करण ७' में अपने चचेरे भाई अर्जुन कपूर के साथ देखा गया था। इस शो में सोनम गर्भावस्था के बाद पहली बार भाई अर्जुन के साथ ऑन–स्क्रीन में दिखी थी।

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव के छोटे भाई दीपू ने कहा- भैया ठीक हो रहे हैं।

मुम्बई। लोकप्रिय कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव गंभीर स्थिति से बाहर हैं और ठीक हो रहे हैं, उनके छोटे भाई दीपू श्रीवास्तव ने उनकी हेल्थ को लेकर पुष्टि की। कॉमेडियन को १० अगस्त को दिल का दौरा पड़ा था और तब से वह एम्स दिल्ली

में वेंटिलेटर पर हैं। पिछले हफ्ते जहां उनकी हालत स्थिर थी, वहीं दो दिन पहले उनकी हालत बिगड़ती गई। अब उनके छोटे भाई ने प्रशंसकों के लिए एक वीडियो संदेश साझा किया है और उनसे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करने को कहा है। दीपू श्रीवास्तव ने एक वीडियो संदेश में कहा कि हालांकि राजू अभी भी अस्पताल में हैं, उन्हें यकीन है कि उनके भाई को प्रशंसकों का पूरा आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं करना चाहिए क्योंकि कॉमेडियन ठीक हो रहे हैं। शेखर सुमन ने राजू श्रीवास्तव के स्वास्थ्य अपडेट को भी साझा किया। उनके ट्वीट में लिखा था 'राजू का नवीनतम अपडेट यह है कि वह उस गंभीर स्थिति से बाहर निकल रहे हैं जिस स्थिति में वह उस दिन थे। सबसे अच्छे डॉक्टर, न्यूरो सर्जन उनका इलाज कर रहे हैं और चीजें बेहतर दिख रही हैं। मुझे लगता है कि राजू की अपनी इच्छा और हमारी टीम है। प्रार्थना सर्वशक्तिमान द्वारा सुनी जा रही है। हर हर महादेव।' राजू श्रीवास्तव एक लोकप्रिय कॉमेडियन हैं जो कई कॉमेडी शो का हिस्सा रहे हैं। श्रीवास्तव द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज, कॉमेडी सर्कस, द कपिल शर्मा शो, शक्तिमान और अन्य का हिस्सा थे। कॉमेडियन ने बॉलीवुड फिल्मों जैसे मैंने प्यार किया, तेजाब, बाजीगर और बहुत कुछ में अभिनय किया। उन्हें हाल ही में इंडियाज लाफ्टर चौंपियन में स्पेशल गेस्ट के तौर पर देखा गया था।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अलीबाग में खरीदा नया घर, सामने आईं गृह प्रवेश की तस्वीरें

मुम्बई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड के पावर कपल में से एक हैं। सेलेब जोड़े ने अब मुंबई के नजदीक एक समुद्र तट शहर अलीबाग में एक आलीशान घर खरीदा था जिसमें उन्होंने अब रहना शुरूकर दिया है। सोशल मीडिया पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के गृह प्रवेश की तस्वीरें सामने आयी हैं। रणवीर जो हाल ही में अपने न्यूड फोटोशूट के लिए चर्चा में थे, उन्होंने अपने गृह प्रवेश समारोह से तस्वीरें साझा कीं। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मुंबई के करीब एक समुद्र तट शहर अलीबाग में एक आलीशान ह लीडे हाउस में निवेश करके अपनी संपत्ति सूची में जोड़ा है। रणवीर ने उसी से खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं, जिसमें उनके नए वेकेशन होम की झलकियां भी शामिल थीं। गृहप्रवेश में दंपति के तत्काल परिवार के सदस्य शामिल हुए। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने सितंबर २०२१ में अलीबाग में खुद के लिए एक आलीशान बंगला खरीदा था। मनीकंट्रोल के अनुसार, पंजीकरण दस्तावेज में कहा गया है कि संपत्ति २.२५ एकड़ में फैली हुई है और इसमें लगभग १८,००० वर्ग फुट का एक निर्मित क्षेत्र है। ५ बीएचके बंगला है एक जमीन और पहली मंजिल। यह सतीरजे क्षेत्र में स्थित है और किहिम बीच से लगभग १० मिनट की दूरी पर है। दीपिका

पादुकोण और रणवीर सिंह का बंगला अलीबाग के सतिरजे इलाके में है। इसे अरबपतियों की सड़क भी कहा जाता है। अलीबाग में कई बॉलीवुड सेलेब्स और उद्योगपतियों के बंगले हैं। इस सूची में शाहरुख खान, वेदांत रिसोर्सेज के नवीन अग्रवाल, रेमंड्स के गौतम सिंघानिया, इंफोसिस के सलिल पारेख और अन्य शामिल हैं। मुंबई से अलीबाग पहुंचने में आमतौर पर लगभग ४०–४५ मिनट लगते हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lit; ckt ibl

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lij'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;jks phQ

eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक